

This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No. ....

**6326**

**B.A. (Hons.) / II**

**B**

**ECONOMICS – Paper 06**

**(Economic History of India 1857-1947)**

**(Admissions of 2005 and onwards)**

**Time : 2 Hours**

**Maximum Marks : 38**

*(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)*

**Note :** Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

**टिप्पणी :** इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

This paper is divided into **two** Sections A and B.

Attempt any **one** question from Section A and any **two** questions from Section B.

इस प्रश्न-पत्र के दो खण्ड 'क' और 'ख' हैं ।

खण्ड 'क' में से कोई एक प्रश्न और

खण्ड 'ख' में से कोई दो प्रश्न कीजिए ।

SECTION – A

1 × 12 Marks

खण्ड – क

1. After experiencing positive growth rates of total and per capita income since 1865, India suffered stagnation in per capita income after the World War-I. Was it because of stagnation in agriculture ? What caused this stagnation ?

1865 से समस्त और प्रति व्यक्ति आय में सकारात्मक वृद्धि दरों के बाद प्रथम विश्व युद्ध के पश्चात भारत में प्रति व्यक्ति आय में गतिहीनता आ गई । क्या यह कृषि में गतिहीनता के कारण थी ? इस गतिहीनता के लिए क्या कारण थे ?

2. The Indian occupational structure showed little sign of change over the whole period of 1881-1951. Why did the development of railways not alter the broad occupational structure of India ?

1881-1951 की संपूर्ण अवधि के दौरान भारत के व्यावसायिक ढाँचे में नाम मात्र परिवर्तन नज़र आए । रेल-विकास भारत के व्यापक व्यावसायिक ढाँचे को क्यों परिवर्तन नहीं कर पाया ?

3. “The ability of India to fulfill its Imperial commitment was dependent on a number of important variables – The performance of the domestic and world economies, the intricacies of government finance and, most important of all, the ability of the Government of India to balance internal and external demands upon its scarce resources.” Critically examine the above statement.

“भारत के लिए अपनी साम्राज्यिक प्रतिबद्धता का पालन करने की क्षमता अनेक महत्त्वपूर्ण चरों पर निर्भर थी, यथा – घरेलू और विश्व अर्थव्यवस्थाओं का प्रदर्शन, सरकारी वित्त की जटिलताएँ और इन सब में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भारत सरकार की अपने अपर्याप्त संसाधनों पर आंतरिक तथा बाह्य माँगों में संतुलन करने की क्षमता ।” इस कथन का समीक्षात्मक परीक्षण कीजिए ।

## SECTION – B

2 × 13 Marks

### खण्ड – ख

4. Agrarianisation of tribal population living in forests was an overriding priority of the British officials. How did tribal people respond to this policy and what were the social consequences for them ?

ब्रिटिश अधिकारियों की अभिभावी प्राथमिकता वनों में रहने वाली जनजातीय आबादी का कृषीकरण थी । जनजातियों ने इस नीति पर किस प्रकार अनुक्रिया की थी और उनके लिए इसके सामाजिक परिणाम क्या हुए ?

5. The power loom was on average 4-6 times faster than the hand-driven loom. Despite such a wide productivity gap, at the end of World War-I, around three million workers in India were engaged in hand weaving as compared to about half a million cotton-mill workforce. How will you explain this survival story of hand loom weaving ?

बिजलीकरघा हथकरघा से औसतन 4-6 गुना तेज चलने वाला था । उत्पादिता में इतने व्यापक अंतर के बावजूद प्रथम विश्व युद्ध के अंत पर भारत में लगभग तीस लाख कामगार हथकरघा पर बुनाई कर रहे थे, जबकि सूती मिल में काम करने वालों की संख्या लगभग पाँच लाख थी । हथकरघा बुनाई की इस उत्तर जीविता-गाथा के लिए आप क्या स्पष्टीकरण दे सकेंगे ?

6. Trace the emergence of industrial labour force in India during the period 1857-1947. How difficult was the transformation of agrarian workforce into an industrial labour force ?

1857-1947 की अवधि के दौरान भारत में औद्योगिक श्रम-बल के आविर्भाव की रूपरेखा प्रस्तुत कीजिए । कृषि कार्य बल को औद्योगिक श्रम-बल में रूपांतरित करना कितना कठिन था ?

7. Discuss briefly the main trends in India's foreign trade during the period 1857-1947. Identify the circumstances that caused the changes in it.

1857-1947 की अवधि के दौरान भारत के विदेशी व्यापार की प्रमुख प्रवृत्तियों का संक्षेप में विवेचन कीजिए । इनमें परिवर्तन के लिए उत्तरदायी परिस्थितियों का अभिनिर्धारण कीजिए ।